Series : WXYZ/S

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड 29/S/2

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

*(i) इस प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या **13** है।*

*(ii) इस प्रश्न-पत्र में **तीन** खण्ड हैं – **खण्ड क, ख** और **ग**।*

(iii) तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(iv) दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(v) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

सुनते हैं कभी एक पेड़ था
रोज़ लोग आकर
दुखड़ा रोते उस पेड़ से
तरह-तरह के लोग, दुख भी
सबके क़िस्म-क़िस्म के
एक दिन पेड़ के कोटर से कोई
बोला
अँधेरे में आना
अपना दुख यहीं बाँध जाना
उत्तर सबेरे मिल जाएगा
लोग सारी रात आते ही आते
चले गए
सुबह बड़ी भीड़ थी
पेड़ के नीचे सन्नाटा भी
ऊपर के कोटर से फिर वही
आवाज उतरी
काफ़ी से कहीं अधिक खुरदरी
हर दुख को पढ़ लो
फिर आपस में अदल-बदल
कर लो
जिसे जो दुख अपने से ज्यादा
बेहतर लगे
बड़ा गुलगपाड़ा मचा
दोपहर तक सब
भाग लिए
एक भी विनिमय नहीं हुआ।

(i) कविता में पेड़ की किस विशेषता की ओर संकेत किया गया है ? *1*

(A) पेड़ दुख का नाश करता था

(B) पेड़ दुखदायी था

(C) पेड़ दुख बाँटता था

(D) पेड़ दुख सुनता था

(ii) पेड़ के प्रति लोगों की भावना को क्या कह सकते हैं ? *1*

(A) आस्था

(B) भरोसा

(C) अंधविश्वास

(D) आशा

(iii) कविता का केंद्रीय भाव है : *1*

(A) संसार में प्रत्येक व्यक्ति दुखी है

(B) सबको अपना ही दुख अच्छा लगा

(C) सब अपने दुख में सुखी थे

(D) दुख कोई बाँटना नहीं चाहता

(iv) पेड़ के कोटर से आवाज क्यों आई ? *1*

(v) लोग दुखड़ा रोने के लिए पेड़ के पास क्यों जाते थे ? *2*

(vi) 'भीड़ होने पर भी सन्नाटा होना' में कैसा विरोधाभास है ? स्पष्ट कीजिए। *2*

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

जिसका शरीर और मन अपने काम को तत्परता से करने के बावजूद थके-उकताए नहीं, बल्कि उसमें इसके बाद भी इतनी शक्ति बची रहे कि वह स्वयं प्रसन्न होकर और प्रसन्नतापूर्वक दूसरे असमर्थों की सहायता कर सके, उनके काम निपटाने में हाथ बँटा सके उसे ही हम कहेंगे 'स्वस्थ' और उसके इस सामर्थ्य को कहा जाएगा 'स्वास्थ्य'।

भरे बोरे की तरह मोटा हो जाना अच्छे स्वास्थ्य की निशानी नहीं है। एक कोस चले तो हाँफने लगे, घंटे भर पढ़े तो सिर में चक्कर आ जाए, अपना मामूली सामान दस कदम ढोने में कुली के बिना काम न चले, उसे हम स्वस्थ कदापि नहीं कहेंगे।

स्वास्थ्य मनुष्य की प्रथम सम्पत्ति है। वह ईश्वर के लुभावने वरदानों में सर्वोत्तम है। स्वास्थ्य अमीरों के लिए वरदान है, गरीबों के लिए सम्पत्ति। स्वास्थ्य को किसी भी महँगे मूल्य पर खरीदा नहीं जा सकता। इसके बिना संसार का भोग संभव नहीं है।

स्वस्थ व्यक्ति की भुजाएँ वटवृक्ष की तरह निराश्रितों को आश्रय देती हैं, किन्तु जिसके शरीर के ऊपर अस्वास्थ्य की डरावनी छाया मँडराने लगती हो उसका जीवन उस पतले धागे पर टँगा रहता है, जिसे मृत्यु देवता जब चाहें, तोड़ डालें। एक स्वस्थ व्यक्ति के नयनों में स्वप्न नाचते रहते हैं, उसके अंग-अंग में तरुणाई जम्हाई लेती रहती है। किन्तु जो विटामिन की शीशियों से स्वास्थ्य उधार माँगते फिरते हैं वे दूसरों को धोखा तो दे सकते हैं अपने आप को धोखा नहीं दे सकते। स्वास्थ्य की लाली तो खिलते गुलाब की लाली है, उसकी चमक तो सूरज की कुँआरी किरणों की चमक है।

अस्वस्थ व्यक्ति के लिए जीवन भार बन जाता है। संगीत के सुंदर स्वर कर्णकटु और मन मगन करने वाली किसी की खुली हँसी, मन की कचोट हो उठती है। अत: यदि हम पृथ्वी का सारा सुख भोगना चाहते हैं, यदि हम राष्ट्र की और विश्व की उन्नति करना चाहते हैं, तो स्वास्थ्य रक्षा के नियमों का पालन करें। महर्षि चरक ने लिखा है 'स्वास्थ्य रूपी घर को ठीक रखने के तीन पाये हैं' – उचित आहार, पूर्ण निद्रा और ब्रह्मचर्य। अच्छा स्वास्थ्य सर्वोत्तम धन है, उसे किसी भी मूल्य पर खरीदा नहीं जा सकता।

(i) स्वस्थ व्यक्ति से अभिप्राय है : *1*

(A) जो असमर्थों की सहायता कर सके

(B) जिसका शरीर काम करने के बाद थके नहीं

(C) जो मन, शरीर से काम करके थके नहीं और असमर्थों की सहायता करे

(D) जो लोगों को शारीरिक बल का प्रदर्शन करे

(ii) स्वस्थ व्यक्ति की भुजाओं की तुलना वटवृक्ष से क्यों की गई है ? *1*

(A) दूसरों को सहारा देने के कारण

(B) विशाल होने के कारण

(C) सुदृढ़ होने के कारण

(D) शक्तिशाली होने के कारण

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए : *1*

कथन : पृथ्वी का सारा सुख भोगने के लिए स्वास्थ्य रक्षा के नियमों का पालन करना आवश्यक है।

कारण : अस्वस्थ व्यक्ति के लिए जीवन भार बन जाता है। अच्छे स्वास्थ्य को किसी भी मूल्य पर खरीदा नहीं जा सकता।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ही ग़लत हैं।

(C) कथन सही है और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(iv) गद्यांश में स्वास्थ्य को अमीरों के लिए वरदान क्यों कहा गया है ? *1*

(v) "विटामिन की शीशियों से स्वास्थ्य उधार माँगते फिरते हैं" का आशय क्या है ? *2*

(vi) गद्यांश के अनुसार अस्वस्थ व्यक्ति के लक्षण लिखिए। *2*

(vii) महर्षि चरक ने स्वास्थ्य को क्या नाम दिया है और उसके तीन पाये क्या बताए हैं ? *2*

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार दीजिए :

(क) मुद्रित माध्यम क्या है ? दो के नाम लिखिए। (शब्द सीमा लगभग 20 शब्द) *1*

(ख) रेडियो समाचार की भाषा कैसी होनी चाहिए ? (किन्हीं दो का उल्लेख कीजिए) (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

(ग) दूरदर्शन समाचार वाचक के दो गुण बताइए। (शब्द सीमा लगभग 40 शब्द) *2*

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए : *2×3=6*

(क) पत्रकार कितने प्रकार के होते हैं ? उनका संक्षिप्त विवरण दीजिए।

(ख) विशेष लेखन किस शैली में लिखा जाता है ? उस शैली का परिचय दीजिए।

(ग) फीचर किसे कहते हैं ? इसके लिखने में शब्दों की कितनी सीमा होती है ? इसकी विषयवस्तु पर प्रकाश डालिए।

5. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) बागवानी का आनंद

(ख) घर की बैठक (ड्राइंग रूम) में सजा टी.वी.

(ग) पहाड़ों का जीवन

6. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(क) कविता में बिंब और छंद की क्या उपयोगिता होती है ?

(ख) शब्द या भाषा की दृष्टि से नाटककार के लिए क्या ज़रूरी है ?

(ग) किसी कहानी में संवादों का क्या महत्त्व है ? स्पष्ट कीजिए।

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तकों अंतरा तथा अंतराल पर आधारित प्रश्न)

7. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) यह धीरे-धीरे होना
धीरे-धीरे होने की सामूहिक लय
दृढ़ता से बाँधे है समूचे शहर को
इस तरह कि कुछ भी गिरता नहीं है
कि हिलता नहीं है कुछ भी
कि जो चीज़ जहाँ थी
वहीं पर रखी है
कि गंगा वहीं है
कि वहीं पर बँधी है नाव
कि वहीं पर रखी है तुलसीदास की खड़ाऊँ
सैकड़ों बरस से

अथवा

(ख) बहुत दिनान को अवधि आसपास परे,
खरे अरबरनि भरे हैं उठि जान को।
कहि-कहि आवन छबीले मनभावन को,
गहि-गहि राखति ही दै दै सनमान को ।।
झूठी बतियानि की पत्यानि तें उदास ह्वै कै,
अब ना घिरत घन आनंद निदान को।
अधर लगे हैं आनि करि कै पयान प्रान,
चाहत चलन ये सँदेसो लै सुजान को ।।

8. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'देवसेना का गीत' कविता से उद्धृत 'मेरी आशा आह ! बावली, तूने खो दी सकल कमाई' पंक्तियों में आशा को बावली कहने के पीछे क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

(ख) तुलसीदास ने 'भरत-राम का प्रेम' कविता में भरत के आत्म-परिताप में उनके चरित्र की क्या विशेषता बताई है ?

(ग) 'कुसुमित कानन हेरि कमलमुखि' पद के आधार पर लिखिए कि प्राकृतिक उपादानों का नायिका पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

9. निम्नलिखित पठित काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्पों का चयन कीजिए : *5×1=5*

यह दीप अकेला स्नेह भरा
है गर्व भरा मदमाता, पर इसको भी पंक्ति को दे दो।
यह जन है – गाता गीत जिन्हें फिर और कौन गाएगा ?
पनडुब्बा – ये मोती सच्चे फिर कौन कृती लाएगा ?
यह समिधा – ऐसी आग हठीला बिरला सुलगाएगा।
यह अद्वितीय – यह मेरा – यह मैं स्वयं विसर्जित –
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा

(i) 'यह दीप अकेला' से कवि का आशय है :

(A) एक दीप (B) अकेला दीप
(C) जलता हुआ दीप (D) व्यक्तिगत सत्ता

(ii) 'पंक्ति को दे दो' से कवि का क्या आशय है ?

(A) समूह से हटा दो (B) पंक्ति में शामिल कर लो
(C) इसकी शोभा बढ़ा दो (D) सामाजिक सत्ता से जोड़ दो

(iii) 'दीप का स्नेह और गर्व से भरा होना' से किस ओर संकेत है ?

(A) प्रेम और अनुराग से पूर्ण (B) घमंड से भरा
(C) जलता हुआ (D) सर्वगुण संपन्न

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : सर्वगुण संपन्न व्यक्ति को समाज में सम्मिलित करने से उसकी सार्थकता और उपयोगिता बढ़ जाती है।

कारण : समुदाय में सम्मिलित होकर गुणी व्यक्ति अहंकारहीन और शक्तिशाली हो जाता है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन और कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(v) कवि ने व्यष्टि और समष्टि के विलय से संभव माना है :

कथन I : व्यक्तिगत सत्ता (स्नेह, गर्व से पूर्ण) को सामाजिक सत्ता (व्यष्टि) से जोड़ने से समाज मज़बूत होता है।

कथन II : व्यक्तिगत सत्ता (दीप के गुण) एकाकीपन में उपेक्षित हो सकती है।

कथन III : व्यक्तिगत सत्ता को सामाजिक सत्ता से जोड़ने से आत्मबोध का विश्वबोध में रूपांतरण होता है।

विकल्प :

(A) केवल कथन I
(B) कथन I और कथन III
(C) केवल कथन III
(D) कथन II और कथन III

10. निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर दिए गए बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर के लिए सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प का चयन कर लिखिए : *5×1=5*

जो समझता है कि वह दूसरों का उपकार कर रहा है वह अबोध है, जो समझता है कि दूसरे उसका उपकार कर रहे हैं वह भी बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका अपकार कर रहा है ? मनुष्य जी रहा हैं, केवल जी रहा है; अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार। किसी को उससे सुख मिल जाए, बहुत अच्छी बात है; नहीं मिल सका, कोई बात नहीं, परन्तु उसे अभिमान नहीं होना चाहिए। सुख पहुँचाने का अभिमान यदि ग़लत है तो दुख पहुँचाने का अभिमान तो नितरां ग़लत है। दुख और सुख तो मन के विकल्प हैं। सुखी वह है जिसका मन वश में है, दुखी वह है जिसका मन परवश है। परवश होने का अर्थ है खुशामद करना, दाँत निपोरना, चाटुकारिता, हाँ-हजूरी। जिसका मन अपने वश में नहीं है वही दूसरे के मन का छंदावर्तन करता है, अपने को छिपाने के लिए मिथ्या आडंबर रचता है, दूसरों को फँसाने के लिए जाल बिछाता है। कुटज इन सब मिथ्याचारों से मुक्त है। वह वशी है, वैरागी है।

(i) इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार 'मनुष्य के जीने' से लेखक का किस ओर संकेत है ?

(A) इतिहासकार के चिंतन की ओर
(B) समाज के वरेण्य लोगों के विचार की ओर
(C) चिकित्सकों के निदान की ओर
(D) ईश्वर की सर्वस्वता की ओर

(ii) दूसरों का उपकार करने की भावना और दूसरों से उपकृत होने की भावना से लेखक व्यक्ति के मन की कौन-सी भावना बताना चाहता है ?

(A) जिज्ञासा

(B) आत्मप्रशंसा

(C) कृतज्ञता

(D) अज्ञानता

(iii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प का चयन कीजिए :

कथन : सुख-दुख का संबंध व्यक्ति विशेष के मन के साथ जुड़ा है।

कारण : मन ही मनुष्यों के सुख-दुख का हेतु है।

विकल्प :

(A) कथन ग़लत है, किंतु कारण सही है।

(B) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iv) निम्नलिखित में से गद्यांश के अनुसार सबसे सही वाक्य चुनिए :

(A) खुशामद करना, चाटुकारिता करना आदि दुखी व्यक्ति के लक्षण हैं।

(B) मन को वश में रखने वाला सुखी नहीं होता है।

(C) मनुष्य नाशशील है, ईश्वर के विधान से वह जीवन धारण करता है।

(D) सुख पहुँचाने का अभिमान तो होता है।

(v) गद्यांश के अनुसार कुटज को लेखक ने कहा है :

(A) त्यागी

(B) योगी

(C) साधु

(D) वैरागी

11. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) बड़ी हवेली से बुलावा आने पर हरगोबिन के मन में आशंका क्यों हुई ?

(ख) 'मिट्टी के ढेले' पाठ में जीवनसाथी चुनने के पुराने रीति-रिवाज के संबंध में क्या उल्लिखित है ?

(ग) 'कुटज' के जीवन से लेखक ने किन शिक्षाओं की चर्चा की है ?

12. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(क) 'अपना मालवा खाऊ-उजाड़ू ....' पाठ के लेखक ने औद्योगिक सभ्यता को खाऊ-उजाड़ू सभ्यता क्यों कहा है ?

(ख) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर सूरदास का चरित्र चित्रण कीजिए और लिखिए कि आप उसके चरित्र की कौन-सी विशेषता धारणा चाहेंगे और क्यों ?

(ग) 'बिस्कोहर की माटी' पाठ में वर्णित गाँव के बारे में जानकारियाँ दीजिए।

13. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी ***एक*** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *6*

(क) आधुनिक हिंदी-साहित्य में भारतेंदु जी के नाटक उन्हें बहुत प्रिय थे। उन्हें भी वे कभी-कभी सुनाया करते थे। जब उनकी बदली हमीरपुर जिले की राठ तहसील से मिर्जापुर हुई तब मेरी अवस्था आठ वर्ष की थी। उसके पहिले ही से भारतेंदु के संबंध में एक अपूर्व मधुर भावना मेरे मन में जगी रहती थी। 'सत्य हरिश्चंद्र' नाटक के नायक राजा हरिश्चंद्र और कवि हरिश्चंद्र में मेरी बाल-बुद्धि कोई भेद नहीं कर पाती थी। 'हरिश्चंद्र' शब्द से दोनों की एक मिलीजुली भावना एक अपूर्व माधुर्य का संचार मेरे मन में करती थी।

अथवा

(ख) हर की पौड़ी पर साँझ कुछ अलग रंग में उतरती है। दीया-बाती का समय या कह लो आरती की बेला। पाँच बजे जो फूलों के दोने एक-एक रुपए के बिक रहे थे, इस वक्त दो-दो के हो गए हैं। भक्तों को इससे कोई शिकायत नहीं। इतनी बड़ी-बड़ी मनोकामना लेकर आए हुए हैं। एक-दो रुपए का मुँह थोड़े ही देखना है। गंगा सभा के स्वयंसेवक खाकी वर्दी में मुस्तैदी से घूम रहे हैं। वे सबको सीढ़ियों पर बैठने की प्रार्थना कर रहे हैं। शांत होकर बैठिए, आरती शुरू होने वाली है। कुछ भक्तों ने स्पेशल आरती बोल रखी है। स्पेशल आरती यानी एक सौ एक या एक सौ इक्यावन रुपए वाली। गंगा तट पर हर छोटे-बड़े मंदिर पर लिखा है – 'गंगा जी का प्राचीन मंदिर।' पंडितगण आरती के इंतज़ाम में व्यस्त हैं। पीतल की नीलांजलि में सहस्र बत्तियाँ घी में भिगोकर रखी हुई हैं। सबने देशी घी के डिब्बे अपनी ईमानदारी के प्रतीकस्वरूप सजा रखे हैं। गंगा की मूर्ति के साथ-साथ चामुंडा, बालकृष्ण, राधाकृष्ण, हनुमान, सीताराम की मूर्तियों की श्रृंगारपूर्ण स्थापना है। जो भी आपका आराध्य हो, चुन लें।